S–9 Roll No. ……..

BAJY–202

मुहूर्त्त विचार

कला में स्नातक (ज्योतिष) बी. ए.-12 / 16 / 17

द्वितीय वर्ष सत्र, 2018

समय : 3 घण्टा पूर्णांक : 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. भद्रा क्या है ? इसके गुण-दोषों को लिखिए।
2. षोडश संस्कार का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
3. यात्रामुहूर्त्त का लेखन करते हुए दिक् यात्रा में शुभाशुभ की विवेचना कीजिए।
4. गृहारम्भमुहूर्त्त का उल्लेख कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. नक्षत्र पर टिप्पणी लिखिए।
2. पुंसवन संस्कार का महत्व लिखिए।
3. अन्नप्राशन मुहूर्त्त लिखिए।
4. द्वारस्थापन चक्र का उल्लेख कीजिए।
5. यात्रा के शुभलक्षण लिखिए।
6. उपनयनमुहूर्त्त को लिखिए।
7. तिथियों का विवेचन कीजिए।
8. मुहूर्त्त पर टिप्पणी लिखिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. 'घटिकाद्वय' क्या है ?
2. तिथियाँ कितनी हैं ?

3. ऋतुओं की संख्या कितनी है ?
4. सचरण नक्षत्रों के पाद हैं ..... ।
5. संस्कारों की संख्या है ..... ।
6. विप्रो के लिए उपनयन काल क्या है ?
7. वामरवि विचार किसमें प्रयुक्त होता है ?
8. शिलान्यास किस दिशा में होगा ?
9. संस्कारों की संख्या कितनी है ?
10. चान्द्रमासों की संख्या कितनी है ?